9

सूरज का रूमाल

एक बार सूरज को जुकाम हो गया। हुआ यूँ कि एक दिन बारिश हो रही थी और सूरज बिना गमबूट (Gumboot) पहने ही बाहर निकल पड़ा। पानी भरे गड्ढों में वह छप–छप करता चलता गया, जिससे उसके पैर काफी भीग गए। वापस लौट आने के बजाय वह आगे बढ़ता ही गया।

थोड़ी ही देर में उसके कपड़े भी भीग गए और फिर भी वह नहीं लौटा। वह तो आगे–ही–आगे झरनों और पहाड़ियों पर से उछलता–कूदता हरे–भरे मैदानों को पार करता चला गया। धरती ने उसे गरम पानी की बोतल दी और रज़ाई ओढ़ाकर बिस्तर में सुला दिया। इसका कोई फ़ायदा नहीं हुआ। वह सपने में भी छींकता ही रहा।

जब इन सबसे भी आराम नहीं आया तो धरती ने अपनी बहन फूलरानी को बुलाया। फूलरानी ने गुलाब, सूरजमुखी के फूल, बटन फूल, नीले घंटी फूल और तरह–तरह के फूलों की मुस्कान ली। उसमें तुलसी और जड़ी–बूटी मिलाकर दवा बनाई। दवा सूरज को गरम–गरम पिला दी।

फूलरानी ने सूरज के लिए एक रूमाल बनाया। उसमें फूलरानी ने नींद में सिर डुलाते बैंगनी रंग के बनफ़शा के फूलों की सुंदरता डाली। आसमान के नीले रंग से हलका नीला रंग, गुनगुनाते झरनों के किनारे उगी लम्बी घास का हरा रंग, बाँस और मधुमक्खी का पीला रंग, सागर पर छिटका सूर्यास्त का नारंगी रंग और गरमियों में जंगलों में फलने वाले बेरों का लाल रंग मिलाया। ये सतरंगी रूमाल फूलरानी ने सूरज को दे दिया।

जल्दी ही सूरज का ज़ुकाम ठीक होने लगा और सुबह सूरज फूलरानी का दिया सतरंगी रूमाल लेकर बाहर आया, शायद ज़रूरत पड़ जाए।

निर्देश :– चित्रों पर बातचीत करते हुए कहानी सुनाएँ। क्या, क्यों के सवाल पूछें जैसे – इस चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है। सूरज गमबूट पहने बिना बाहर क्यों निकला होगा? इत्यादि।

रोशनी में रूमाल चमकने लगा। एक नन्हीं लड़की जो लगातार बारिश से ऊब गई थी बोली, ''यह तो इन्द्रधनुष है, जिसने बरखा रानी को बाँध रखा है।''मगर हमारे लिए यह तो सूरज का सतरंगी रूमाल है।

तरुण चेरियन

अभ्यास–कार्य

शब्द–अर्थ

सतरंगी	–	सात रंगों का
बनफशा	–	एक प्रकार का फूल
गम बूट	–	बारिश में पहने जाने वाले जूते
सूर्यास्त	–	सूर्य का पश्चिम दिशा में डूबना
इंद्रधनुष	–	बारिश के बाद सूर्य की किरणों से आसमान में धनुष के आकार की बनने वाली सात रंगों की एक विशेष आकृति

1. सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखें

1. सूरज बिना पहने ही बाहर निकल पड़ा–

(क) पेंट (ख) गमबूट

(ग) कमीज़ (घ) टोपी ( )

2. सूरज सपने में भी –

(क) डरता रहा (ख) भीगता रहा

(ग) नहाता रहा (घ) छींकता रहा ( )

2. सही वाक्य के आगे सही (✓) व गलत वाक्य के आगे गलत (×) का निशान लगाइए

1. इंद्रधनुष में सात रंग होते हैं। ( )
2. चन्द्रमा को जुकाम हो गया। ( )
3. धरती की बहन का नाम फूलवती था। ( )
4. सूर्यास्त के समय सूरज का रंग नारंगी होता है। ( )
5. इंद्रधनुष को सूरज का सतरंगी रूमाल कहा गया है। ( )

3. सोचें और बताएँ

1. रूमाल के क्या–क्या उपयोग होते हैं ?
2. तुमको फूलरानी मिल जाए तो तुम उससे क्या–क्या माँगोगे ?
3. सर्दी से बचने के लिए तुम किन–किन चीजों का उपयोग करते हो ?

4. अधूरे शब्दों को पूरा करें।

1. सत............गी,
2. बन............शा
3 ....द्र धनुष,
4. सू............स्त,
5. पहाड़ि............

5. उत्तर लिखें

1. जब सूरज को आराम नहीं आया तो धरती ने क्या किया ?

....

2. फूलरानी ने तरह–तरह के फूलों से क्या लिया ?

....

3. फूलरानी ने तुलसी और जड़ी–बूटी से क्या किया ?

....

4. इंद्रधनुष ने किसको बाँध रखा है ?

....

5. फूलरानी ने सूरज के लिए बनाए रुमाल में कौन–कौनसे रंग मिलाए ?

....

6. समान लय वाले दो शब्द लिखें

- पानी नानी ....
- रात सात ....
- घर हर ....
- ताल जाल ....
- नीला गीला ....

7. चित्रों में भरे रंगों के हिंदी में नाम लिखें।

(Purple)	(Blue)	(Sky Blue)	(Green)
		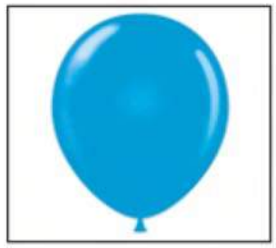	
-----------	-----------	-----------	-----------

(Yellow)	(Orange)	(Red)
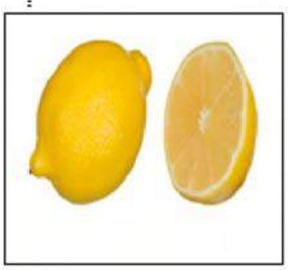	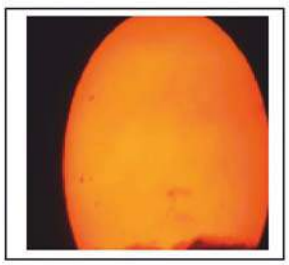	
-----------	-----------	-----------

8. इन रंगों के पहले अक्षर को लेकर क्रम से लिखें।

....

....

(रंगों के नाम लिखवाने में शिक्षक बच्चों की मदद करें।)

9. आओ, इन्हें भी बोलें

- यह **वृक्ष** है बड़ा विशाल।
- **ऋतु** आए पकते हैं फल।
- मोटूराम तेज–तेज **खर्राटें** ले रहा था।
- उसका कुरता **चर्र** से फट गया।
- **प्रगति**–पथ पर बढ़ें हम।
- **प्राण** देश हित वारें हम।

समझें

व + ऋ =वृ, जैसे – वृक्ष, वृक

क + ऋ =कृ, जैसे – कृपा, कृति

र् = ‘ʿ’, जैसे – फुर्र, खर्राटा, सर्राटा, घर्राटा

र् = ‘्र’ , जैसे – प्रति, प्रधान, प्रमुख, क्रम

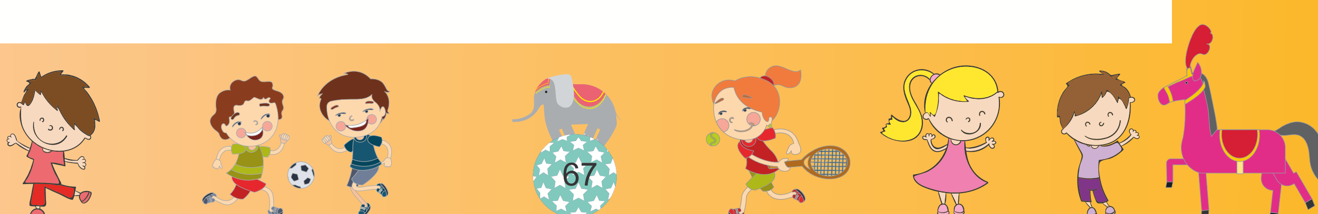

लोकगीत गुनगुनाएँ

काळो जी काळो काँई करो सहेल्याँ ए

काळा राणी राणादे रा केस

काळो सूरज जी रो घोड़लो सहेल्याँ ए

जागा जागा कस्यपजी सा पूत...।

उगणतो उजास वरणो,

आंतमणो सिंदूर वरणो,

गायां रा गुवाळ चाल्या,

पंछीड़ा मारग चाल्या,

नेम धरम सब साथ, सहेल्याँ ए

जागा जागा कस्यपजी रा पूत...।

केवल पढ़ने के लिए

बूझो तो जानें

हमने देखा, एक बीमार,
कपड़े पहने, सौ हज़ार।

....

दो आँखों पर, उनका वास,
दो कानों पर, खड़े जनाब।

....

फल, फूल और मिठाई,
तीनों में हूँ मैं,
बूझो बच्चो, कौन हूँ मैं ?

....

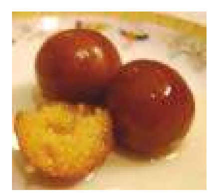

प्याज़, चश्मा, गुलाबजामुन।